दैनिक जागरण

PAGE NO : 2 BOTTOM

रिद्धिमा में सजी सुरों की महफिल, झूम उठे दिल

रिद्धिमा के स्थापना दिवस पर प्रस्तुति देती कलाकार • जागरण

जागरण संवाददाता, बरेली: हारमोनियम के सुर व तबले की थाप की जुगलबंदी। शास्त्रीय संगीत की इस महफिल से कोई उठना ही नहीं चाह रहा था। रिद्धिमा के पहले स्थापना दिवस और एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी स्व. राममूर्ति के 112वें जन्मदिवस पर कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के जरिये समां बांध दिया।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन दैव मूर्ति ने स्व. राममूर्ति के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि उनके पिता सांस्कृतिक विरासत को समाज के लिए महत्वपूर्ण मानते थे। भारतीय संगीत में उनकी खासी रुचि थी। उन्हीं की स्मृति में रिद्धिमा की स्थापना हुई, जिसे मंगलवार को एक वर्ष हो गया है। इसका उद्देश्य बरेली और आसपास के होनहार बच्चों को एक मंच प्रदान करना था। इसके बाद सजी सुरों की महफिल में पहली प्रस्तुति वाद्य यंत्रों से हुई, जिसमें ट्रस्ट के गीत को गुरु शिवांगी मिश्रा और स्नेह आशीष दुबे ने अपनी आवाज देकर वाहवाही बटोरी। विनायक श्रीवास्तव ने स्व. राममूर्ति की जीवन यात्रा का नाट्य रूपांतरण पेश किया। गुरु शिवंगी मिश्रा ने गजल गाकर सभागार का माहौल खुशनुमा बना दिया। स्नेह आशीष दुबे ने 13 रागों से सजी रागमाला की प्रस्तुति दी। अंत में कथक व भरतनाट्यम का मिश्रण देखने को मिला। आशा मूर्ति, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, रजनी अग्रवाल, जेसी पालीवाल, सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा. एसबी गुप्ता, डा. आरपी सिंह, रिंटू चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

रिद्धिमा के मंच पर वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति देते कलाकार • जागरण